4. तीसरे छंद में संकेतित कथाएँ अपने शब्दों में लिखिए?
5. निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
   (क) पति बनैं चारमुख पूत बनैं पंच मुख नाती बनैं षटमुख तदपि नई-नई।
   (ख) चहुँ ओरनि नाचति मुक्तिनटी गुन धूरजटी वन पंचवटी।
   (ग) सिंधु तर्‌यो उनको बनरा तुम पै धनुरेख गई न तरी।
   (घ) तेलन तूलनि पूँछि जरी न जरी, जरी लंक जराई-जरी।
7. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए-
   (क) भावी भूत वर्तमान जगत बखानत है केसोदास, क्यों हू ना बखानी काहू पै गई।
   (ख) अघओघ की बेरी कटी बिकटी निकटी प्रकटी गुरुज्ञान-गटी।

योग्यता-विस्तार

1. केशवदास की 'रामचंद्रचंद्रिका' से यमक अलंकार के कुछ अन्य उदाहरणों का संकलन कीजिए।
2. पाठ में आए छंदों का गायन कर कक्षा में सुनाइए।
3. केशवदास 'कठिन काव्य के प्रेत हैं' इस विषय पर वाद-विवाद कीजिए।

शब्दार्थ और टिप्पणी

बानी – वाणी, सरस्वती
मति – बुद्धि
रिषिराज – श्रेष्ठ ऋषि
चारमुख – चार मुख वाले ब्रह्मा
पाँच मुख – पाँच मुखवाले, शिव
षटमुख – छह मुख वाले, षडानन, कार्त्तिकेय
मीचु – मृत्यु
तटी – समाधि
अघओघ – पापों का समूह
मुक्तिनटी – मुक्ति रूपी नटी
धूरजटी – शिव
वारिधि – समुद्र
दसकंठ – रावण

© NCERT not to be republished